

उत्तराखण्ड में ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखण्ड मंत्रिमंडल ने [राज्य ट्रांसजेंडर व्यक्ति कल्याण बोर्ड](#) के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

- राज्य ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को रोजगार में समान अवसर प्रदान करने के लिये एक नीति लाएगा।

मुख्य बंदि

- सरवेक्षण एवं पहचान-पत्र जारी करना:
 - राज्य में ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की संख्या की पहचान और पता लगाने के लिये पूरे उत्तराखण्ड में एक सरवेक्षण कराया जाएगा।
 - सरवेक्षण के बाद, ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को उनकी औपचारिक पहचान के लिये पहचान-पत्र जारी किये जाएंगे।
- कल्याणकारी पहुँच को सुगम बनाना:
 - कल्याण बोर्ड ट्रांसजेंडर समुदाय की मौजूदा सामाजिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य योजनाओं तक पहुँच सुनिश्चित करेगा।
 - यह समुदाय के प्रति संवेदनशील और गैर-भेदभावपूर्ण नई योजनाएँ भी विकसित करेगा।
 - शिकायतों के समाधान के लिये एक प्रभावी नगिरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी, जिसमें शिकायत समाधान के लिये एक निश्चित समय सीमा होगी।
- उत्तराखण्ड ट्रांसजेंडर व्यक्ति कल्याण बोर्ड का गठन:
 - समाज कल्याण विभाग प्रशासनिक विभाग के रूप में कार्य करेगा, जबकि मुख्यमंत्री ट्रांसजेंडर व्यक्ति कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।
 - सदस्यों में समाज कल्याण, गृह, वित्त, कारमिक, शहरी विकास और [पंचायती राज](#) जैसे विभागों के सचिव शामिल होंगे:
 - ट्रांसजेंडर समुदाय के पाँच विशेषज्ञ।
 - ट्रांसजेंडर अधिकारों के लिये काम करने वाले [गैर-सरकारी संगठनों \(NGO\)](#) का एक प्रतिनिधि।
 - राष्ट्रीय संदर्भ और कानूनी अधिदेश।
- कल्याण बोर्ड स्थापित करने वाला 18वाँ राज्य:
 - [उत्तराखण्ड ट्रांसजेंडर व्यक्ति \(अधिकारों का संरक्षण\) अधिनियम, 2019 और नियम, 2020](#) के तहत ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिये कल्याण बोर्ड स्थापित करने वाला 18वाँ राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बन जाएगा।
 - ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड वाले अन्य राज्य हैं राजस्थान, मजोरम, चंडीगढ़, आंध्र प्रदेश, पुदुचेरी, महाराष्ट्र, केरल, मेघालय, मणपुर, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश, असम, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर तथा अंडमान और निकोबार।

ट्रांसजेंडर

- [ट्रांसजेंडर व्यक्ति \(अधिकारों का संरक्षण\) अधिनियम, 2019](#) के तहत ट्रांसजेंडर का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जिसका लिंग जन्म के समय निर्धारित लिंग के अनुरूप नहीं होता।
- इसमें अंतरलिंगीय भिन्नता वाले ट्रांस-व्यक्ति, [लिंग-विषमलैंगिक](#) और कनिनर, हजिड़ा, अरावनी और जोगता जैसी सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान वाले लोग शामिल हैं।
- भारत की [2011 की जनगणना](#) देश की पहली जनगणना थी जिसमें देश की 'ट्रांस' आबादी की संख्या को शामिल किया गया था। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया था कि 4.8 मिलियन भारतीय ट्रांसजेंडर के रूप में पहचाने जाते हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/transgender-welfare-board-in-uttarakhand>

